



ORIGINAL

क्रम सं/ Serial No.: 161557



पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार

The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र

Certificate of Registration of Design

डिजाइन सं. / Design No.

374246-001

तारीख / Date

16/11/2022

पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date*

देश / Country

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो **BIRD DRINKING TROUGH** है, का पंजीकरण, श्रेणी 30-03 में 1.Dr. Yogesh Kumar 2. Dr. Saurabh Kumar Singh 3.Dr. Kamal Kumar Kushwah 4.Madhuri Gokhle 5.Dr. Sujeet Kumar Mahobia 6.Dr. Sapna के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 30-03 in respect of the application of such design to **BIRD DRINKING TROUGH** in the name of 1.Dr. Yogesh Kumar 2. Dr. Saurabh Kumar Singh 3.Dr. Kamal Kumar Kushwah 4.Madhuri Gokhle 5.Dr. Sujeet Kumar Mahobia 6.Dr. Sapna.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अधधीन प्रावधानों के अनुसरण में।

In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि :

Date of Issue

26/03/2024



महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न
Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो) जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिजाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।

The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

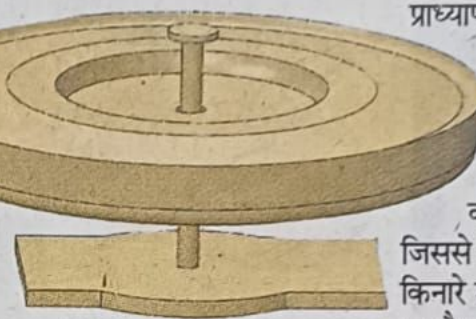
डिजाइन किया विशेष पात्र, आराम से पानी पी सकेंगे पक्षी

नेशनल टेक्नोलॉजी-डे: परिंदों के पीने के पानी के लिए विशेष पहल, जिसे भारत सरकार द्वारा मिला डिजाइन पेटेंट

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर। हर दिन टेक्नोलॉजी में नए आविष्कार देखने मिलते हैं। आज का दिन भी हमारे देश की एक बड़ी सफलता को याद करने का है। आज नेशनल टेक्नोलॉजी-डे मनाया जाता है। आज जानिए किस तरह शहर के जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राध्यापकों व शोध-छात्रों ने आम समस्याओं का हल निकालने का प्रयास किया है। प्राध्यापकों ने पक्षियों के लिए बर्ड ड्रिंकिंग ट्राफ यानी एक विशेष पात्र डिजाइन किया है, जो कि पक्षियों को पानी पीने में सहूलियत देगा। आपको बता दें कि 11 मई सन् 1998 को भारत ने पोखरण में सफल परमाणु टेस्ट किया था। इसके महत्व को चिह्नित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।



टॉप ट्यू



बॉटम साइड ट्यू

आम पात्रों से है हटकर

प्राध्यापकों द्वारा डिजाइन किए गए वर्तन की शकल आम गोल या आयताकार शकलों से अलग है। इसमें जहाँ पानी इकट्ठा होगा, वह गुंबदनुमा और लहरदार सतह वाला है। इससे यह पात्र सुंदर लगता है। इस वजह से यह पात्र पक्षियों को आकर्षित करेगा। इसमें एक छड़ लगी है, जिससे पक्षी सीधे पानी पर नहीं बैठ पाएँगे। इसके किनारे ऊपर की तरफ उठे हुए हैं। इससे पक्षी किनारे पर बैठकर पानी पी सकते हैं। इस तरह पानी गंदा नहीं होगा। यह वर्तन जमीन पर नहीं रखा जाएगा, बल्कि पेडेस्टल पर रखा जाएगा, जिससे इसकी ऊँचाई बढ़ेगी। इसकी सतह पर जैविक टेक्स्चर भी दिखाई देगा। ऐसी विशेषताओं के कारण ही यह डिजाइन अनूठी है। शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि वे सिर्फ इसकी शकल और डिजाइन का ही दावा कर रहे हैं, न कि किसी रंग, शब्द या ट्रेडमार्क का। इसे डिजाइन करने में डॉ. योगेश कुमार, डॉ. सौरभ कुमार सिंह, डॉ. कमल कुमार कुशवाह, माधुरी गोखले, डॉ. सुजीत कुमार महोबिया और डॉ. सपना ने सामूहिक रूप से काम किया। उन्होंने इस डिजाइन के लिए पेटेंट भी लिया है।

नैनो मटेरियल पर रिसर्च भी

जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में सेमीकंडक्टर नैनो मटेरियल पर रिसर्च भी की गई है। प्राध्यापक डॉ. कमल कुशवाह ने बताया कि शोध छात्रों द्वारा नैनो पार्टिकल बनाए जा रहे हैं। साथ ही छात्रों ने पारदर्शी ल्युमिसेंट फिल्म तैयार की है, जिसमें नैनो कणों की डोपिंग है,

यह फिल्म UV द्वारा उत्तेजित किए जाने पर एक विशेष रंग का प्रकाश उत्सर्जित करती है। इस प्रकार नैनो साइज व डोपिंग-को नियंत्रित कर भिन्न रंगों के उत्सर्जन वाले मटेरियल डेवलप किए जा सकते हैं। इसका उपयोग भविष्य में उच्च दक्षता व कम पॉवर उपयोग वाले लाइट एमिटरिंग डायोड, फोटो डायोड, सोलर सेल आदि मटेरियल बनाने में किया जा सकता है। पी-3

